

For more information please contact:

Prof. (Dr.) Asis Mazumdar
Nodal Coordinator
coordinatorrcfc@jadavpuruniversity.in

Dr. Sanjay Bala
Regional Director
rdrcfc@jadavpuruniversity.in

Regional-cum-Facilitation Centre, Eastern Region
NMPB, Ministry of AYUSH, Government of India
Jadavpur University, Kolkata - 700032

Tel: +91-33-24146979, Fax: +91-33-24146886

Email: rfcncmpb@jadavpuruniversity.in, Website : <http://www.rcfceast.org>



Regional cum Facilitation Centre
Eastern Region
National Medicinal Plants Board
Ministry of AYUSH, Govt. of INIDA
Jadavpur University, Kolkata

Success Story
Medicinal Plants
Promotion by
NEPO FPO Group





Ekangi (*Kaempferia galanga*)

After doing successful soil testing of those farmers fields, NEPO brought 2250 more farmers under the project, and before doing the marketing of those cultivated products, SMPB came into picture to facilitate. NEPO managed to get a fund of Rs. 2 crores through SMPB in 2018-19 and facilitated to establish a market linkage with the exporters. NEPO FPO has received the farmers subsidy of Rs. 81 Lakhs from NMPB through SMPB, West Bengal. NEPO has exported 360 ton of *Kaempferia galanga*, by making a business contract with a selected company, and in 2018-19 NEPO has successfully made a business of Rs. 6 crores 40 lakhs.



Ekangi (*Kaempferia galanga*)



NEPO FPO Group, Krishnagar, Nadia, West Bengal is working on multiple projects since its inception on 1st April, 2015. Among other social and economical projects, cultivation of Medicinal plants by organizing farmers is one of the crucial project, and initial guidance was received from NMPB Facilitation Centre at Narendrapur Ramkrishna Mission. Following their suggestions NEPO adventures to organize local farmers and motivated them to cultivate various medicinal plants. In 2016, with the cooperation of local administration, NEPO has started the cultivation of Ekangi (*Kaempferia galanga* L.), and subsequently the business link was established with the potential buyers. Through the Buyer Seller meet in 2016, NEPO could successfully bring 542 farmers under this cultivation project. The benefited farmers set example for others and 3000 more interested farmers have applied to join for cultivation of medicinal plants in the financial year 2017-18.



In 2019-20, NEPO intended to bring 24200 farmers under this project through Medicinal Farmers Cluster Committee under the chairmanship of Mr. Abhijit Ghosh.

NEPO is working not only on Ekangi but also other beneficial medicinal plants in order to make a righteous business of the cultivated products. NEPO is also intended to create Home Herbal Gardens in 3000 homes in Nadia district with technical support from RCFC-ER.

NEPO is implementing projects in convergence with MGNREGA for establishment of 15 model medicinal plants nurseries which will create jobs for 550 unemployed persons apart from raising quality planting material. NEPO is establishing a model processing unit under the guidance of RCFC-ER, NMPB and already managed fund from district administration and SMPB which will be in operational by 2020.

The success of NEPO has encouraged themselves to intervene other medicinal plants, viz. Sarpagandha, Aloevera, Ashagandha, Moringa, Neem, Tulsi, Arjun, Kalmegh, Thankuni and Turmeric, cultivation and processing by forming 54 Medicinal Farmers Cluster Committee of 9 different states. This case is a live example for flourishing medicinal plants cultivation by promoting FPOs.



বিজ্ঞারিত জানতে অনুগ্রহ পূর্বক যোগাযোগ করুন :

প্রফেসর ডক্টর আপিস মজুমদার, নোডাল কোঅর্ডিনেটর
ডক্টর সঞ্জয় বাল, ক্ষেত্রীয় নির্দেশক
coordinatorrcfc@jadavpuruniversity.in
rdrcfc@jadavpuruniversity.in

আঞ্চলিক তথা সহায়তা কেন্দ্র (আর সি এফ সি), জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ (এন এম পি বি), আয়ুশ মন্ত্রণালয়, ভারত সরকার,
যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়, কলকাতা - ৭০০০৩২, দুরভাষ : +৯১ ০৩৩ ২৪১৪ ৬৯৭৯, ফ্যাক্স : +৯১ ০৩৩ ২৪১৪ ৬৮৮৭
ই-মেইল : rcfnmpb@jadavpuruniversity.in, ওয়েবসাইট : <http://www.rcfcast.org>

জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ (এন এম পি বি), আয়ুশ মন্ত্রণালয়, ভারত সরকার, ইন্ডিয়ান রেড ক্রস সোসাইটি (আই র সি এস),
এনেক্স বিল্ডিং, ৯ম এবং ২য় তলায়, ৯ রেড ক্রস রোড, নয়া দিল্লি - ১১০০০৯, দুরভাষ : +৯১-১১-২৩৭২ ৯৮৪০,
ই-মেইল : info-nmpb@nic.in, ওয়েবসাইট : <http://www.nmpb.nic.in>



আঞ্চলিক তথা সহায়তা কেন্দ্র (আর .সি .এফ .সি)
পূর্ব অঞ্চল
জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ (এন .এম .পি .বি),
আয়ুশ মন্ত্রণালয়, ভারত সরকার
যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়, কলকাতা, পশ্চিমবঙ্গ

নেমো এফ .পি .ও গ্রুপের
একাঙ্গী'র
(*Kaempferia galanga*)
এক উদ্যোগী পথযাত্রা





Ekangi (Kaempferia galanga)

সেই কৃষকদের জমির মাটি সফলভাবে পরিষ্কার পর নেপো ২২৫০ জনের ও বেশী কৃষককে এই প্রকল্পের অধীনে আনতে সফল হয় এবং ঐ চাষজাত পন্যের বপনের আগেই এস.এম.পি.বি. এগিয়ে আসে। ২০১৮-১৯ এ এস.এম.পি.বি এর মাধ্যমে নেপো এর ২ কোটি টাকার তহবিলের প্রাপ্তি ঘটে এবং রপ্তানী কারকদের সাথে বাণিজ্যিক সম্পর্ক তৈরীতে সফল হয়।

নেপো একটি নির্দিষ্ট কোম্পানীর সাথে বাণিজ্যিক ভাবে চুক্তিবদ্ধ হয়ে ৩৬০ টন একাঙ্গী রপ্তানী করেছে, এবং ২০১৮-১৯ এ নেপো ৬ কোটি ৪০ লক্ষ টাকার ব্যাবসা করার সফলতা লাভ করেছে। ২০১৯-২০ তে নেপো ঔষধি কৃষক ক্লাস্টার কমিটির মাধ্যমে ২৪২০০ জন কৃষককে এই প্রকল্পের অধীনে সংযুক্ত করার চিন্তা ভাবনা করেছে।



Ekangi (Kaempferia galanga)



পশ্চিমবঙ্গের নদীয়া জেলার কৃষ্ণনগরে নেপো এফ.পি.ও ১লা এপ্রিল ২০১৫ সালে তাদের প্রারম্ভ থেকেই একাধিক প্রকল্প নিয়ে কাজ শুরু করেছে। তাদের অন্যান্য সামাজিক ও অর্থনৈতিক প্রকল্প গুলির মধ্যে কৃষকদের সংগঠিত করে ঔষধি গাছ-গাছালির চাষ একটি গুরুত্বপূর্ণ প্রকল্প, এই ক্ষেত্রে তারা নরেন্দ্রপুর রামকৃষ্ণ মিশনের নেপো সুবিধা কেন্দ্র থেকে প্রাপ্ত প্রাথমিক নির্দেশিকা অনুসরণ করেন।

২০১৬ সালে স্থানীয় প্রশাসনের সহযোগিতায় নেপো একাঙ্গী (Kaempferia galanga) চাষ শুরু করে এবং পরবর্তীতে সম্ভাব্য ক্রেতাদের সাথে বাণিজ্যিক সম্পর্ক প্রতিষ্ঠা করে। ২০১৬ সালে ক্রেতা বিক্রেতা সম্মেলন, নেপো এই চাষ প্রকল্পের অধীনে ৫৪২ জন কৃষককে সংযুক্ত করতে সফল হয়। সুবিধাপ্রাপ্ত কৃষকরা অন্যদের কাছে সফলতার উদাহরণ হয়ে দাঁড়ায় এবং তার ফল স্বরূপ ২০১৭-১৮ আর্থিক বছরে ৩০০০ এর ও বেশী উৎসাহী কৃষক ঔষধি গাছ-গাছালি চাষের প্রকল্পে সংযুক্ত হওয়ার জন্য আবেদন করে।



নেপো সঠিকভাবে বাণিজ্যিক প্রসার ঘটানোর জন্য একাঙ্গী ছাড়াও অন্যান্য উপকারী ঔষধি গাছ- গাছালি নিয়েও কাজ করেছে। এছাড়া নেপো নদীয়া জেলার ৩০০০ বাড়ীতে ঘরোয়া ভেষজ বাগান তৈরী প্রচেষ্টা করেছে।

নেপো এম.জি.এন.আর.ই.জি.এ. এর সাথে একত্রিত হয়ে ঔষধি গাছ-গাছালির ১৫টি মডেল নার্সারী প্রকল্প তৈরী করেছে এতে ৫৫০ জন বেকার লোকের কর্মসংস্থানের পাশাপাশি উন্নত মানের চাষ সামগ্রী ও তৈরী হবে। নেপো এবং আঞ্চলিক তথা সহায়তা কেন্দ্র, পূর্ব অঞ্চল, জাতীয় ভেষজ উদ্ভিদ পর্ষদ এর সাথে যৌথ উদ্যোগে একটি মডেল প্রক্রিয়াকরণ ইউনিট তৈরী করেছে এবং ইতিমধ্যে জেলা প্রশাসন ও এস.এম.পি.বি এর মাধ্যমে তহবিল গঠন করেছে যা ২০২০ সালের মধ্যে কার্যকরী হবে।

নেপো এর সাফল্যের কথা বিবেচনা করে ইতিমধ্যে অন্যান্য ঔষধি গাছ-গাছালির প্রতি উৎসাহিত হয়েছে যেমন - সর্পগন্ধা, অ্যালোভেরা, অর্শুগন্ধা, মরিঙ্গা, নিম, তুলসী, অর্জুন, কালমেঘ, খানকুনি এবং হলুদ। ৯টি বিভিন্ন রাজ্যের ৫৪টি মেডিসিনাল ফার্মার ক্লাস্টার কমিটি গঠন করা হয়েছে প্রক্রিয়াকরণ ও প্রক্রিয়াজাতকরণের জন্য। এই ক্ষেত্রে এফ.পি.ও এর প্রসার এক অনন্য উদাহরণ।



अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

प्रोफेसर (डॉ.) आशिस मजुमदार, नोडल समन्वयक, डॉ. संजय बाला, क्षेत्रीय निदेशक
coordinatorrcfc@jadavpuruniversity.in rdrcfc@jadavpuruniversity.in

क्षेत्रीय-सह-सुविधा केन्द्र, पूर्व क्षेत्रएनएमपीबी, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता-700032
टेलीफोन : 91.33.24146979, फ़ैक्स: +91.33.24146886 ई-मेल: rcfnmpb@jadavpuruniversity.in,
वेबसाइट: <http://www.rcfcast.org>

राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, आयुष भवन, आईआरसीएस एनेक्सी बिल्डिंग, रेड क्रॉस रोड,
नई दिल्ली - 110001, दूरभाष: + 91-11-24649123, फ़ैक्स: +91-11-24649123, ईमेल: info-nmpb@nic.in,
वेबसाइट: <http://www-nmpb-nic.in>



क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र (आरसीएफसी)
पूर्वी क्षेत्र
राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड (एनएमपीबी)
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत

सफलता की कहानी
पर
Ekangi (*Kaempferia galanga*)
द्वारा प्रचार
एन इ पी ओ एफ पी ओ समुह





Ekangi (Kaempferia galanga)

उन किसानों के खेत में सफल मृदा परीक्षण करने के बाद एन इ पी ओ ने परियोजना के तहत 2250 किसानों को जोड़ा और उत्पादों को मार्केटिंग करने के लिए एस एम पी बी से सहयोग दिलाने का काम किया। एन इ पी ओ, एफ पी ओ ने एस एम पी बी से 2 करोड़ अनुदान प्राप्त करने में सफल रहा।



Ekangi (Kaempferia galanga)



एन इ पी ओ, एफ पी ओ समुह कृष्णनगर नाडला पश्चिम बंगाल, 1 अप्रैल 2015 को अपनी स्थापना के बाद से कई परियोजना पर काम कर रहा है। अन्य सामाजिक और आर्थिक परियोजनाओं के बीच किसानों की परवरिश को औषधीय पादपों की खेती महत्वपूर्ण परियोजना में से एक है और नरेन्द्रपुर रामकृष्ण मिशन में एन इ पी ओ सुविधा केन्द्र से प्रारंभिक मार्गदर्शन प्राप्त किया गया है। स्थानीय कृषकों को संगठित कर नियोएडवेचर्स ने औषधीय पादपों की खेती के लिए प्रेरित किया। 2016 में स्थानीय प्रशासन के सहयोग से एन इ पी ओ ने एकांगी की खेती शुरू कर दी है और बाद में संभावित खरीददारों के साथ लिंक भी स्थापित किया है। 2016 में खरीददार विक्रेता-बैठक के बाद से एन इ पी ओ ने इस खेती परियोजनाओं के तहत 542 किसानों को सफलतापूर्वक जोड़ा। लाभार्थी किसानों से प्रेरित होकर 2017-18 में इसकी खेती के लिए 3000 और अधिक किसानों ने आवेदन किया।



2018-19 में निर्यात के लिए बाजार से संबंध स्थापित करने का प्रयास किया। एन इ पी ओ, एफ पी ओ ने एस एम पी बी के माध्यम से एन एम पी बी से 81 लाख रुपये सब्सिडियरी के रूप में प्राप्त किया। एन इ पी ओ पश्चिम बंगाल ने चयनित कंपनी के साथ अनुबंध करके 360 टन कैम्फोरा गलंगा(एकांगी) का निर्यात किया। इससे 2018-19 में एन एन पी ओ ने सफलतापूर्वक 6 करोड़ 40 लाख रुपये का कारोबार किया। 2019-20 में एन इ पी ओ 24200 किसानों का इस परियोजना में क्लस्टर निर्माण श्री अभिजीत घोष की अध्यक्षता में किया। आर सी एफ सी पूर्वी क्षेत्र के तकनीकी सहयोग से एन इ पी ओ का जिले के 3000 घरों में होम हर्वल गार्डन बनाने की योजना है।



ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ ଦୟା କରି ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ :-
 ପ୍ରଫେସର (ତନ୍ତ୍ର) ଅଶୀଷ ମହାନ୍ତ, କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ସମ୍ବନ୍ଧକାରୀ
 ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ, ଜାଡାପୁର, କୋଲକତା-୭୦୦୦୩୨
coordinatorrcfc@jadavpuruniversity.in
 ଚକ୍ର ଫକ୍ସ ବାଲି, କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ନିକେଟିକି
rdrcfc@jadavpuruniversity.in
 କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ସୁବିଧା କେନ୍ଦ୍ର, ପୂର୍ବାଞ୍ଚଳ ଶାଖାକେନ୍ଦ୍ର, ଏନ୍.ଏସ୍.ସି.
 ଆୟୁଷ ମନ୍ତ୍ରାଳୟ, ଭାରତ ସରକାର,
 ଯାଜପୁର ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, କୋଲକତା-୭୦୦୦୩୨
 ଟେଲିଫୋନ୍ : +୯୧-୩୩-୨୪୧୪୨୯୯୯, ଫ୍ୟାକ୍ସ : +୯୧-୩୩-୨୪୧୪୨୯୯୯
 ଇମେଲ୍ : rcfcnmbb@jadavpuruniversity.in
 ୱେବସାଇଟ୍ : <http://www.rcfoeast.org>



କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ସୁବିଧା କେନ୍ଦ୍ର
 ପୂର୍ବାଞ୍ଚଳ ଶାଖା କେନ୍ଦ୍ର
 ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ପରିଷଦ
 ଆୟୁଷ ମନ୍ତ୍ରାଳୟ, ଭାରତ ସରକାର,
 ଜାୟପୁର ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, କୋଲକତା

ଏକାଙ୍କୀ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ
 ଉପରେ ସଫଳତା କାହାଣୀ
 ଏନ୍. ଇ. ପି. ଓ (ନେପୋ)
 ଏଫ୍. ପି. ଓ (ଚାଷା ଉତ୍ପାଦକ ସଂଗଠନ)
 ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଚାରିତ





Ekangi (Kaempferia galanga)

ସେହି ଚାଷୀମାନଙ୍କ ଜମିରେ ସଫଳ ମାଟି ପରିକ୍ଷଣ କଲାପରେ ନେପୋ ଆଉ ୨୨୫୦ ଜଣ ଅଧିକ ଚାଷୀଙ୍କୁ ସେହି ପ୍ରକଳ୍ପର ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ କଲା ଏବଂ ସେହି କୃଷି ଉତ୍ପନ୍ନ ହୁଏତମାନଙ୍କର ବ୍ୟବସାୟ କରିବା ପୂର୍ବରୁ ଏସ୍.ଏମ୍.ପି.ବି. କାମ ସହଜ କରିବା ଲାଗି ଆଗେଇ ଆସିଲା । ନେପୋ ୨୦୧୮-୧୯ରେ ଏସ୍.ଏମ୍.ପି.ବି. ମାଧ୍ୟମରେ ୨ କୋଟି ଟଙ୍କା ପାଣ୍ଡର ପ୍ରବନ୍ଧ କଲା ଏବଂ ରପ୍ତାନିକାରୀମାନଙ୍କ ସହ ବଜାର ସଫର୍କ ସ୍ଥାପନର ସୁବିଧା କଲା । ନେପୋ ଏଫ୍.ପି. ଓ. (ଚାଷ ଉତ୍ପାଦକ ସଂଗଠନ) ଏସ୍.ଏମ୍.ପି.ବି. ପରିମଳକ ଦ୍ୱାରା ୮୧ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କାର ଚାଷୀଙ୍କ ପାଇଁ ଥିବା ଆର୍ଥିକ ସହାୟତା ରାଶି ମଧ୍ୟ ପ୍ରାପ୍ତ କରିଛି । ନେପୋ ଏକ ବଛା ଯାଇଥିବା କଂପାନି ସହିତ ବ୍ୟବସାୟ ଅନୁବନ୍ଧ କରି ୩୨୦ ଟନର ଏକାକୀ ରପ୍ତାନି କରିଛି ଏବଂ ୨୦୧୮-୧୯ରେ ନେପୋ ସଫଳତା ସହ ୬ କୋଟି ୪୦ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କାର ବ୍ୟବସାୟ କରିବାରେ ସକ୍ଷମ ହୋଇଛି ।



Ekangi (Kaempferia galanga)



ଏନ୍.ଇ.ପି.ଓ. (ନେପୋ) ଏଫ୍.ପି.ଓ (ଚାଷ ଉତ୍ପାଦକ ସଂଗଠନ) ଗୋଷ୍ଠୀ, କୃଷକଗଣ, ନବିୟା ଜିଲ୍ଲା, ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ଠାରେ ୧ମ ଏପ୍ରିଲ ୨୦୧୫ରେ ବହୁତ ଗୁଡ଼ିଏ ପ୍ରକଳ୍ପ ଉପରେ ଲଗାତର ଭାବେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଆସୁଛି । ତାହାର ଅନ୍ୟ ସାମାଜିକ ଓ ଅର୍ଥନୈତିକ ପ୍ରକଳ୍ପମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଚାଷୀମାନଙ୍କୁ ସଂଗଠନ କରି ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷମାନଙ୍କର ଚାଷ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ମଧ୍ୟ ଏକ ଅତି ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରକଳ୍ପ ଅଟେ ଏବଂ ଏନ୍.ଏମ୍.ପି.ବି.ର ସୁବିଧା କେନ୍ଦ୍ରର ନରେନ୍ଦ୍ରପୁର ଠାରେ ଅବସ୍ଥିତ ରାମକୃଷ୍ଣ ମିଷନ୍ ଠାରୁ ଏଥିପାଇଁ ପ୍ରାଥମିକ ମାର୍ଗ ଦର୍ଶନ ପ୍ରାପ୍ତ କରିଛି । ସେମାନଙ୍କର ପ୍ରସାରକୁ ପାଳନ କରି ନେପୋ ସ୍ଥାନୀୟ ଚାଷୀମାନଙ୍କୁ ସଂଗଠିତ କରିବା ଦାୟିତ୍ୱ ନିଜେ ନେଲା ଏବଂ ସେମାନଙ୍କୁ ବିଭିନ୍ନ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷଗୁଡ଼ିକର ଚାଷ କରିବା ଲାଗି ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କଲା । ୨୦୧୬ରେ ସ୍ଥାନୀୟ ପ୍ରଶାସନର ସହଯୋଗରେ ନେପୋ ଏକାକୀ (କାଏମ୍ପେରିଆ ଗାଲାଙ୍ଗା) ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷର ଚାଷକାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କଲା ଏବଂ ପରବର୍ତ୍ତୀ କାଳରେ ସମାବ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ରମାନଙ୍କ ସହ ବାଣିଜ୍ୟ ସଂଯୋଗ ମଧ୍ୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ କଲା । ୨୦୧୬ରେ କ୍ଷେତ୍ର ବିକ୍ଷେତ୍ରା ବୈଠକ ଦ୍ୱାରା ନେପୋ ୫୪୨ ଜଣ ଚାଷୀଙ୍କୁ ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପ ମଧ୍ୟକୁ ଆଣି ପାରିଲା । ଉପକୃତ ଚାଷୀମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ଉଦାହରଣ ସୃଷ୍ଟି କଲେ ଏବଂ ଏହା ଦ୍ୱାରା ଅଧିକ ୩ ହଜାର ଆଗ୍ରହୀ ଚାଷୀ ୨୦୧୭-୧୮ ମସିହାରେ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷଲତାମାନଙ୍କର ଚାଷ କାର୍ଯ୍ୟ ପାଇଁ ଆବେଦନ କଲେ ।



୨୦୧୯-୨୦ରେ ନେପୋ ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ଅଭିଜିତ୍ ଦୋଷ୍ଟଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ଚାଷୀମାନଙ୍କ ସମୂହ ସମିତି ମାଧ୍ୟମରେ ୨୪,୨୦୦ ଜଣ ଚାଷୀଙ୍କୁ ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପ ମଧ୍ୟକୁ ଆଣିବାକୁ ଆଶାୟୀ ଅଛି । ନେପୋ କେବଳ ଏକାକୀ ଉପରେ କାମ କରୁନାହିଁ ବରଂ ଏହା ଅନ୍ୟ ଲାଭକରି ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷଙ୍କଠାରୁ ଉତ୍ପନ୍ନ ହୁଏତ ଗୁଡ଼ିକର ଏକ ନ୍ୟାୟସଙ୍ଗତ ବ୍ୟବସାୟ ପାଇଁ ମଧ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଅଛି । ନେପୋ ଆର୍.ସି.ଏଫ୍.ସି.-ଇ.ଆର୍.ଠାରୁ ପ୍ରାପ୍ତ ବୈଷୟିକ ସାହାଯ୍ୟ ଦ୍ୱାରା ନବିଆ ଜିଲ୍ଲାର ୩ ହଜାର ଘରେ ଘରେଇ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ବଗିଚାମାନ ସୃଷ୍ଟି କରିବା ପାଇଁ ଆଶାୟୀ ଅଛି । ନେପୋ ପ୍ରକଳ୍ପ ଗୁଡ଼ିକର କ୍ରିୟାନ୍ୱୟନ ପାଇଁ ଏମ୍.ଜି.ଏନ୍.ଆର୍.ଇ.ଜି.ଏ. ସହିତ ସମନ୍ୱୟ ଭାବରେ ୧୫ଟି ଆଦର୍ଶ ଚାରା ଉଦ୍ୟାନ (ନର୍ସରୀ) ଗୁଡ଼ିକର ସ୍ଥାପନ ପାଇଁ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଅଛି, ଯାହାକି ୫୫୦ ଜଣ ବେକାର ଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ ନିୟୁତ୍ତି ସୃଷ୍ଟି କରିବ, ତା'ଛଡ଼ା ଉନ୍ନତ ମାନର ରୋପଣ ସାମଗ୍ରୀ ଚାରା ପ୍ରସ୍ତୁତି ମଧ୍ୟ କରିବ । ନେପୋ ଆର୍.ସି.ଏଫ୍.ସି.-ଇ.ଆର୍., ଏନ୍.ଏମ୍.ପି.ବି.ର ମାର୍ଗଦର୍ଶନରେ ଆଦର୍ଶ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ ଯୁନିଟର ସ୍ଥାପନା କରୁଛି ଏବଂ ଏଥିପାଇଁ ପ୍ରଥମରୁ ହିଁ ନେପୋ ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନ ଓ ଏନ୍.ଏମ୍.ପି.ବି.ଠାରୁ ପାଣ୍ଡି ସଂଗ୍ରହ କରିସାରିଛି ଯାହାକି, ୨୦୨୦ ସୁଧା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ ହେବ । ନେପୋର ସଫଳତା ସେମାନଙ୍କୁ ନିଜକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରିଛି ଯାହା ଦ୍ୱାରା ସେମାନେ ୯ଟି ଅଲଗା ଅଲଗା ରାଜ୍ୟରେ ୫୪ଟି ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷ ଚାଷୀମାନଙ୍କ ସମୂହ ସମିତି ଗଠନ କରି ଅନ୍ୟ ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷଲତାମାନ ଯଥା: ସର୍ବଗନ୍ଧା, ଘିଁ କୁଆଁରୀ, ଅଶ୍ୱଗନ୍ଧା, ସଜନା, ନିମ, ତୁଳସୀ, ଅର୍ଜୁନ, କାଳମେଘ, ଆଲକୃତି ଓ ହଳଦିର ଚାଷ ଏବଂ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣରେ ସହାୟତା କରି ପାରିବ । ଔଷଧୀୟ ବୃକ୍ଷଲତା ଚାଷର ପ୍ରସାର ଓ ବିପଣନ ଯେ, ଏଫ୍.ପି.ଓ. (ଚାଷ ଉତ୍ପାଦକ ସଂଗଠନ) ମାଧ୍ୟମରେ ସୁବାରୁରୁପେ କରାଯାଇପାରେ ତାହାର ଏହି ସଫଳ ଉଦାହରଣ ।

